Department of M.S.W.
Programme outcome

एम.एस.डब्ल्यू– प्रथम सेमेस्टर

1. भारत में प्राचीन समाज कार्य से वर्तमान व्यावसायिक समाज कार्य के ज्ञान का तुलनात्मक अध्ययन।
2. भारत में जनसंख्या वृद्वि के प्रभाव व रोकथाम तथा पर्यावरण समस्या एवं समाधान का अध्ययन।
3. समाज कार्य अनुसंधान की पद्वतियों का अध्ययन।
4. सामूहिक समाज कार्य अर्थ, प्रकार एवं सिद्वांत का अध्ययन।
5. मानव वृद्वि एवं विकास में विभिन्न अवस्थओं का विकासात्मक अध्ययन।

एम.एस.डब्ल्यू– द्वितीय सेमेस्टर

1. पश्चिमी देशों में समाजकार्य का प्रारंभ।
2. भारतीय समाज में आर्थिक विकास तथा मानव अधिकार का अध्ययन।
3. सामूहिक समाज कार्य की प्रक्रिया का मूल्यांकन।
4. समाज कार्य अनुसंधान में वैज्ञानिक विधि का उपयोग।
5. समाज कार्य के ग्रामीण शिविर एवं सामुदायिक समाज कार्य का व्यावहारिक ज्ञान।

एम.एस.डब्ल्यू– तृतीय सेमेस्टर

1. भारत में समाज कार्य करने हेतु समाज, संस्कृति, सामाजिक समूह तथा संस्था का अध्ययन।
2. विभिन्न समाज कार्य करने की आवश्यकता, प्रारूप एवं प्रशिक्षण की प्रक्रिया का अध्ययन।
3. परिवार समाज कार्य के अंतर्गत परिवार का महत्व, प्रमुख समस्या तथा समाधान का अध्ययन।
4. भारत में सामाजिक नीति, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, युवा, जनसंख्या तथा परिवार कल्याण आदि का अध्ययन।
5. भारत में कानूनी व्यवस्था के अंतर्गत विभिन्न अधिकारों अपराध न्याय व्यवस्था पुलिस व्यवस्था तथा कानूनी सहायता का विस्तृत अध्ययन।

एम.एस.डब्ल्यू– चतुर्थ सेमेस्टर

1. भारत में सामाजिक नियंत्रण उदविकास सामाजिक परिवर्तन के सिद्वांत तथा विभिन्न आंदोलनों के प्रकार का अध्ययन।
2. भारतीय ग्रामीण विकास, बिंग संबंधी मुद्दों व पर्यावरणीय मुद्दों का अध्ययन।
3. भारत में पंचवर्षीय योजना पंचायती राज व प्रजातांत्रिक व्यवस्था का अध्ययन।
4. एकीकृत समाज कार्य अभ्यास में समाज कार्य की भूमिका, परामर्शदाता की भूमिका तथ्यों का संकलन इत्यादि का अध्ययन।
5. समाज कार्य प्रायोगिक में कार्यशाला शोध परियोजना क्षेत्रीय कार्य व प्लेसमेंट का व्यावहारिक ज्ञान।

Department of M.S.W.

Programme Specific outcome (P.S.O)

1. विद्यार्थी समाज कार्य का अध्ययन करते हुए समाज का न केवल सैद्वातिक एवं व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त करते हैं।
2. विद्यार्थियों को समाज कार्य के ज्ञान में प्रति जागरूकता साथ ही मानव अधिकार का ज्ञान होता है।
3. ग्रामीण शिविर के द्वारा समुदाय का वैज्ञानिक विधियों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त होता है।
4. भारतीय समाज की विभिन्न इकाईयों जैसे समूह, संस्कृति आदि का ज्ञान प्राप्त होता है।
5 कार्मिक प्रशिक्षण की प्रक्रिया का अध्ययन का अवसर प्राप्त होता है।
6. विभिन्न सामाजिक नीतियों एवं भारतीय कानूनी व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
7. भारत में विभिन्न आन्दोलनों के कारण होने वाले परिवर्तन तथा ग्रामीण विकास का ज्ञान की प्राप्ति।
8. पंचायती राज, P.R.A. तथा क्षेत्रीय कार्य एवं प्लेसमेंट का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है।

Programme outcome (P.O.)

1. समाज कार्य का वैज्ञानिक अध्ययन।
2. समाज की प्रमुख अवधारणाओं की जानकारी प्राप्त करना।
3. विभिन्न सामाजिक समस्याओं एवं उनके समाधान का अध्ययन।
4. जनसंख्या संबंधी राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों का ज्ञान प्रदान करना।
5. विभिन्न मानव अधिकारों का अध्ययन।
6. विभिन्न पक्षों के विकास संबंधी नीतियों का अध्ययन ।
7. कार्मिक प्रशिक्षण का ज्ञान।
8. पर्यावरण की समस्या व समाधान के प्रति जागरूकता।
9. अपराध, दण्ड एवं विधिक सहायता का ज्ञान प्रदान करना।